

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 16 फरवरी, 2010

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 में औद्योगिक मेले प्रदर्शनी, गोष्ठी सेमिनार एवं प्रसार योजना हेतु प्रथम अनुपूरक अनुदानान्तर्गत प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या: 1942/VII-II-09/98-उद्योग/2006 दिनांक 26 अगस्त 2009 एवं आपके पत्रांक:5114/उ०नि०/(दो)-14/मे.प्र./2009-10 दिनांक 31.12.2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 के अन्तर्गत औद्योगिक मेले, प्रदर्शनी, गोष्ठी सेमिनार एवं प्रसार योजना हेतु प्रथम अनुपूरक अनुदानान्तर्गत प्राविधानित धनराशि ₹0 121.00 लाख (रु० एक करोड़ इक्कीस लाख मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बी०एम०-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा, और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल के अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा तथा नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक: 28 जुलाई, 2009 में इंगित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा।

4- स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31 मार्च 2010 तक कर लिया जायेगा। धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र व वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

5- व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने में बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं उक्त के कम में समय-समय पर निर्गत दिशा निर्देशों/नियमों का अनुपालन किया जायेगा। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गई धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रपत्र पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाये।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखा शीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 800-अन्य व्यय, 04-औद्योगिक मेले, प्रदर्शनी, गोष्ठी, सेमिनार व प्रचार, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामे डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग, के अशा0 संख्या: 980/XXVII(II)/2010 दिनांक: 02 फरवरी 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा0 हेमलता ढौंडियाल)

अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 61/VII-II-10/98-उद्योग/2006 तद दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
4. अपर सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी/कुमायूँ मण्डल नैनीताल।
6. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(डा0 हेमलता ढौंडियाल)

अपर सचिव।